and the last trip up to 2100 hours in order to cater to the needs of the employees connected with Parliament Sessions; if so, by when and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MliNlSTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRT JAGDISH TYTLER):
(a) No, S8r.

(b) On account of shortage of buses, there is no proposal to extend the frequency on this route.

On ccount ot increased terrorist activites in Northern India, Delhi Administration had issued instruction in 1987 for dscomtinuation of bus services from Delhi towards adjoining towns of Haryana and Punjab after 2000 hrs.

Accordingly, the services on Gurgaon route were adjusted in such a way that the last bus ie:ives Shivaji Stadium at ".30 p-m.

दिल्ली परिवहन निगम के पद-अधिकारियों के खिलाफ आरोप

4552. **डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में दिल्ली परिवहन निगम के बहुत से शीर्षस्थ पदाधिकारियों का स्थानान्तरण किया गया है और वह आशंका व्यक्त की गई है कि वे कतिपय मामलों में हुई अनियमितताओं में शामिल थे, जिसके फलस्वरूप निगम को करोड़ों रुपए की हानि हुई;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में संदेह के घेरे में कौन-कौन से अधिकारी हैं और क्या इनसे संबंधित मामलों की जांच का कार्य केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उन सभी अधिकारियों को उनके विरुद्ध जांच कार्य पूरा हो जाने तक सेवा से निलम्बित न कि जाने के क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) :(क) से (ग) बेकार टायरों की बिक्री पर बिक्री कर में कटौती/वसूली में तथाकथित अनियमितताओं की केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच कि जाने तक दि.प.नि. के 6 अधिकारियों तथा 4 कर्मचारियों को अभी हाल ही में स्थानान्तरित किया गया है। इसमें कुल लगभग 2 लाख रुपये की राशि अंतर्ग्रस्त है।

चूंकि दिल्ली परिवहन निगम के निदेशक मण्डल को किसी बदनीयती का पता नहीं चला है और अपनाई गई प्रक्रिया, पूर्व-पद्धति के अनुरूप थी, इसलिए दिल्ली परिवहन निगम का निदेशक मण्डल ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा मामले की जांच पूरी किए जाने तक इन अधिकारियों को मुअत्तल करना उचित नहीं समझा।

Construction of platforms in Bombay High

4553. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the Hindustan Shipyard Limited has pleaded with his Ministry to intervene with regard to the contract of construction of tour platforms in the Bombay High and the laying of pipelines; and

(b) whether this request by the Hindustan Shipyard was necessitated due *to* the large number of tenders being sent by the foreign companies as compared to the Indian companies; and

(c) if so, what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRl JAGDISH TYTLER):